प्रश्नोत्तर | भारतीय चित्रपटः मूक फिल्मों से सवाक् फिल्मों तक | लेखकः अमृतलाल नागर | कक्षा- 9 | पाठ- 5 | बिहार बोर्ड | BSEB

पाठ: भारतीय चित्रपट: मूक फिल्मों से सवाक् फिल्मों तक
लेखक: अमृतलाल नागर
कक्षा 9 हिंदी (बिहार बोर्ड) - संक्षिप्त सारांश:

यह पाठ भारतीय सिनेमा के विकास की यात्रा को प्रस्तुत करता है, जो मूक फिल्मों से शुरू होकर सवाक् (बोलने वाली) फिल्मों तक पहुँची। लेखक अमृतलाल नागर बताते हैं कि भारत में पहली मूक फिल्म **'राजा हरिश्चंद्र'** थी, जिसे **दादा साहेब फाल्के** ने 1913 में बनाया था। मूक फिल्मों में संवाद नहीं होते थे, इसलिए कलाकारों को अपने हाव-भाव और अभिनय से कहानी को जीवंत बनाना पड़ता था।

बाद में तकनीकी विकास के साथ **1931 में पहली सवाक् फिल्म 'आलम आरा'** बनी, जिसने भारतीय सिनेमा को एक नया मोड़ दिया। इसके बाद फिल्मों में संवाद, गीत-संगीत, और ध्वनि प्रभावों का समावेश हुआ जिससे फिल्में और अधिक प्रभावशाली बन गईं।

इस पाठ में भारतीय फिल्मों की सामाजिक, सांस्कृतिक भूमिका और उनके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला गया है। लेखक यह भी बताते हैं कि कैसे फिल्मों ने लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज में जागरूकता फैलाने का काम भी किया।

मुख्य बिंदु:

- भारतीय सिनेमा की शुरुआत मूक फिल्मों से हुई।
- 'राजा हरिश्चंद्र' पहली मूक फिल्म थी।
- 'आलम आरा' पहली सवाक् फिल्म थी।
- फिल्मों का समाज पर गहरा प्रभाव पड़ा।
- फिल्मों के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक संदेश भी दिए गए।

यह पाठ भारतीय सिनेमा के इतिहास की झलक देते हुए उसके सामाजिक महत्व को समझने में मदद करता है।

भारतीय चित्रपटः मूक फिल्मों से सवाक् फिल्मों तक | प्रश्नोत्तर | कक्षा- 9 | बिहार बोर्ड | पाठ- 5

1. उन्नीसवीं और बीसवीं शती ने दुनिया को कई करिश्मे दिखाए। लेखक ने किस करिश्मे का वर्णन विस्तार से किया है?

उत्तर: लेखक ने उन्नीसवीं और बीसवीं शती के कई करिश्मों में से **सिनेमाटोग्राफ (चलचित्र)** को विशेष करिश्मा बताया है और उसी का वर्णन विस्तार से किया है। यह तकनीक धीरे-धीरे मूक फिल्मों से सवाक् फिल्मों तक पहुँची।

2. भारतीय चित्रपट में मूक से सवाक् फिल्मों तक के इतिहास को रेखांकित करते हुए दादा साहब फालके का महत्त्व बताइए।

उत्तर: दादा साहब फालके को भारतीय सिनेमा का जनक कहा जाता है। उन्होंने **1913 में 'राजा हरिश्चंद्र'** नामक पहली मूक फीचर फिल्म बनाई। उन्होंने न केवल फिल्म बनाई बल्कि अभिनय, कैमरा, निर्देशन आदि सभी कार्यों को स्वयं किया। उनका योगदान भारतीय सिनेमा की नींव रखने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

3. सावे दादा कौन थे? भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को पाठ के माध्यम से समझाइए।

उत्तर: सावे दादा भारत के पहले कैमरा ऑपरेटर थे। उन्होंने फिल्म निर्माण की तकनीक फ्रांस से सीखी और भारत आकर कई दृश्यों को कैमरे में कैद किया। उन्होंने **1897 में प्लेग के दृश्य**, **हैंगिंग गार्डन**, **ताजमहल होटल** आदि की फिल्म बनाई। वह पहले भारतीय थे जिन्होंने कैमरा चलाया।

4. लेखक ने सावे दादा की तुलना में दादा साहब फालके को क्यों भारतीय सिनेमा का जनक माना? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सावे दादा ने केवल वास्तविक घटनाओं को फिल्माया, जबकि दादा साहब फालके ने पहली बार **एक संपूर्ण कहानी पर आधारित फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र'** बनाई। उन्होंने फिल्म निर्माण की सभी तकनीकी व रचनात्मक ज़िम्मेदारियाँ निभाईं। इसलिए उन्हें भारतीय सिनेमा का जनक माना गया।

5. भारतीय सिनेमा के विकास में पश्चिमी तकनीक के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

उत्तर: भारतीय सिनेमा की शुरुआत पश्चिमी तकनीक से ही हुई। कैमरा, प्रोजेक्टर, साउंड सिस्टम आदि सभी तकनीकें पश्चिम से आईं। भारतीयों ने इन्हें सीखकर अपनी फिल्मों का निर्माण शुरू किया। दादा साहब फालके और सावे दादा जैसे व्यक्तियों ने इन तकनीकों का प्रयोग कर भारतीय सिनेमा को आगे बढ़ाया।

6. अपने शुरुआती दिनों में सिनेमा आज की तरह किसी कहानी पर आधारित नहीं होते थे, क्यों?

उत्तर: शुरुआती दिनों में सिनेमा केवल तकनीकी चमत्कार था। उस समय लोग केवल चलती हुई

तस्वीरें देखकर चकित होते थे। फिल्मों में कहानी या संवाद नहीं होते थे क्योंकि उसका उद्देश्य केवल दृश्य प्रभाव दिखाना था, न कि कथा प्रस्तुत करना।

7. भारत में पहली बार सिनेमा कब और कहाँ दिखाया गया?

उत्तर: भारत में पहली बार सिनेमा **7 जुलाई 1896 को बंबई (अब मुंबई)** के वॉटसन होटल में दिखाया गया। यह आयोजन **लूमियर भाइयों** द्वारा किया गया था।

8. सिनेमा दिखलाने के लिए अखबारों में क्या विज्ञापन निकला? इस विज्ञापन का बम्बई की जनता पर क्या असर हुआ?

उत्तर: विज्ञापन में लिखा गया था - "*आँखों का धोखा नहीं, सजीव चित्र*"। इस विज्ञापन से जनता बहुत उत्साहित हुई और भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों में सजीव चित्र देखने की उत्सुकता थी, जिसे देखकर सभी आश्चर्यचकित रह गए।

9. 1897 में पहली बार बम्बई की जनता को रुपहले पर्दे पर कुछ भारतीय दृश्य देखने को मिले। उन दृश्यों को लिखें।

उत्तर: 1897 में रुपहले पर्दे पर **प्लेग की रोकथाम के दृश्य**, **हैंगिंग गार्डन**, **बम्बई हार्बर**, और **ताजमहल होटल** जैसे दृश्य दिखाए गए थे। ये दृश्य सावे दादा द्वारा फिल्माए गए थे।

10. कलकत्ते में स्टार थियेटर की स्थापना किसने की?

उत्तर: कलकत्ते में स्टार थियेटर की स्थापना **गिरीशचंद्र घोष** ने की थी। यह थियेटर सिनेमा और रंगमंच के लिए प्रसिद्ध था।

11. भारत में फिल्म उद्योग किस तरह स्थापित हुआ? इसकी स्थापना में किन-किन व्यक्तियों ने योगदान दिया।

उत्तर: भारत में फिल्म उद्योग दादा साहब फालके की 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुआ। इसके बाद जे.एफ. मादन, हिमांशु राय, देविका रानी, और अन्य लोगों ने सिनेमा को व्यवसाय के रूप में विकसित किया। मादन थियेटर और बॉम्बे टॉकीज़ जैसी संस्थाओं ने भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

12. पहली फीचर फिल्म कौन थी?

उत्तर: भारत की पहली फीचर फिल्म थी - **'राजा हरिश्चंद्र'**, जिसका निर्माण **1913 में दादा साहब फालके** ने किया था।

13. भारत की पहली बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म किसे कहा जाता है?

उत्तर: 'लंका दहन' (1917) को भारत की पहली बॉक्स ऑफिस हिट फिल्म कहा जाता है। इस फिल्म में पहली बार पुरुष अभिनेता ने सीता का अभिनय किया था और दर्शकों की भारी भीड़ जुटी थी।

14. जे० एफ० मादन का भारतीय फिल्म के विकास में योगदान रेखांकित करें।

उत्तर: जे.एफ. मादन ने भारत में सिनेमाघर खोलकर फिल्मों के व्यवसाय को बढ़ावा दिया। उन्होंने **मादन थियेटर कंपनी** की स्थापना की, जिससे फिल्में बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुँचने लगीं। वह भारतीय फिल्म उद्योग को व्यवस्थित रूप देने वाले पहले व्यवसायी माने जाते हैं।

15. शुरुआती दौर की फिल्म को लोग क्या कहते थे?

उत्तर:

शुरुआती दौर की फिल्म को लोग **"बायोस्कोप"** कहा करते थे। यह शब्द उस समय के लोगों के लिए नया और चमत्कारी था, जिससे वे बहुत आकर्षित होते थे।

16. 'राजा हरिश्चंद्र' फिल्म में स्त्रियों का पार्ट भी पुरुषों ने ही किया था। क्यों?

उत्तर:

उस समय समाज में फिल्मों को अच्छा नहीं माना जाता था और स्त्रियाँ फिल्म में काम करने से कतराती थीं। इसलिए **'राजा हरिश्चंद्र'** फिल्म में **महिला पात्रों की भूमिकाएँ भी पुरुषों ने निभाईं** क्योंकि कोई महिला अभिनय के लिए तैयार नहीं होती थी।

पाठ के आस-पास :-

1. 'दादा साहब फालके' के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

उत्तर:

दादा साहब फालके का असली नाम **धुंडीराज गोविंद फालके** था। उनका जन्म **30 अप्रैल 1870** को महाराष्ट्र में हुआ था।

- उन्होंने भारत की पहली फीचर फिल्म **'राजा हरिश्चंद्र' (1913)** बनाई।
- वे एक कुशल निर्देशक, लेखक, छायाकार और संपादक थे।
- उन्हें **भारतीय सिनेमा का जनक** कहा जाता है।

- उनका निधन **16 फरवरी 1944** को हुआ।

---

2. प्रारंभिक दौर की फिल्मों की एक क्रमवार सूची बनाएँ।

उत्तर:
प्रारंभिक दौर की कुछ प्रमुख फिल्मों की क्रमवार सूची:

1. **राजा हरिश्चंद्र** – 1913 (दादा साहब फालके द्वारा)
2. **लंका दहन** – 1917
3. **भक्त प्रह्लाद** – 1926 (दक्षिण भारत की पहली फिल्म)
4. **आलम आरा** – 1931 (भारत की पहली सवाक् फिल्म)
5. **देवदास** – 1935 (क्लासिक हिट)
6. **संत तुकाराम** – 1936
7. **किसान कन्या** – 1937 (भारत की पहली रंगीन फिल्म)

---

3. राजा हरिश्चंद्र की कहानी अपने शिक्षक से पूछें।

उत्तर (संक्षेप में):
राजा हरिश्चंद्र सत्यवादी और धर्मनिष्ठ राजा थे। उन्होंने सत्य और वचन पालन के लिए अपना राज्य, परिवार और धन सब कुछ त्याग दिया। अंत में सत्य की विजय हुई और उन्हें पुनः उनका सब कुछ वापस मिला।
(पूरी कहानी शिक्षक से विस्तार से जानना उचित होगा।)

---

4. आरंभिक दौर की फिल्मों को बनाने में क्या-क्या कठिनाइयाँ रही होंगी? आप क्या सोचते हैं?

उत्तर:
प्रारंभिक फिल्मों के निर्माण में कई कठिनाइयाँ रही होंगी, जैसे:

- तकनीकी साधनों की कमी
- प्रशिक्षित कलाकारों की कमी, विशेषकर स्त्रियों का अभिनय न करना
- फिल्म निर्माण में अधिक खर्च और कम संसाधन
- समाज का विरोध और उपेक्षा

- कैमरा, लाइटिंग, साउंड आदि उपकरण विदेशों से लाने की मजबूरी
  इन सभी चुनौतियों के बावजूद फिल्मकारों ने कड़ी मेहनत से सिनेमा को आगे बढ़ाया।

---

5. आरंभिक दौर की फिल्मों और आधुनिक दौर की फिल्मों में क्या अंतर पाते हैं? लिखें।

उत्तर:

पहलू	आरंभिक दौर की फिल्में	आधुनिक दौर की फिल्में
तकनीक	मूक या साधारण सवाक्	उच्च तकनीक, VFX, 3D
संवाद	सीमित या संकेतों पर आधारित	भावनात्मक, संवाद प्रधान
संगीत	साधारण संगीत	हाईटेक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग
विषय	धार्मिक/पौराणिक	विविध विषय जैसे प्रेम, समाज, विज्ञान
संसाधन	सीमित कैमरा, सेट	उन्नत कैमरा, ग्राफिक्स, लोकेशन
अभिनय	स्वाभाविक, सरल	प्रोफेशनल और विविधतापूर्ण

---

6. दादा साहब फालके पुरस्कार अब तक किन लोगों को मिला है? क्रमवार सूची बनाएँ।

उत्तर:

दादा साहब फालके पुरस्कार भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है, जो प्रतिवर्ष दिया जाता है। यह सूची लंबी है, इसलिए यहाँ कुछ प्रमुख विजेताओं के नाम दिए जा रहे हैं:

वर्ष	नाम
1969	देविका रानी (पहला पुरस्कार)
1971	पृथ्वीराज कपूर
1989	लता मंगेशकर
1992	भूपेन हजारिका
1998	बी.आर. चोपड़ा

वर्ष	नाम
2001	यश चोपड़ा
2010	के. बालचंदर
2018	अमिताभ बच्चन
2021	रजनीकांत
2023	वहीदा रहमान

"भाषा की बात" - कक्षा 9 हिंदी पाठ *"भारतीय चित्रपट: मूक फिल्मों से सवाक् फिल्मों तक*

1. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए -

- **दाँतों तले उँगली दबाना** – बहुत अधिक आश्चर्यचकित होना
- **श्रीगणेश होना** – किसी कार्य की शुभ शुरुआत होना

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करें -

- **संगम** = सम् + गम्
- **विश्वविद्यालय** = विश्व + विद्यालय
- **स्वागतोत्सव** = स्वागत + उत्सव
- **हरिश्चंद्र** = हरि + चंद्र

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य प्रयोग द्वारा लिंग स्पष्ट कीजिए -

- **टेलीग्राम** – मुझे एक **टेलीग्राम** मिला। *(पुल्लिंग)*
- **आँख** – **आँख** दुखने लगी है। *(स्त्रीलिंग)*
- **सिनेमा** – मैंने आज एक **सिनेमा** देखा। *(पुल्लिंग)*
- **टिकट** – मेरी **टिकट** खो गई। *(स्त्रीलिंग)*

- **होटल** – वह एक बड़ा **होटल** है। *(पुल्लिंग)*
- **फिल्म** – यह **फिल्म** बहुत अच्छी है। *(स्त्रीलिंग)*
- **व्यवसाय** – मेरा **व्यवसाय** अच्छा चल रहा है। *(पुल्लिंग)*

4. निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय बताएँ -

- **बंबइया** = बंबई + **या** (प्रत्यय)
- **स्वर्गीय** = स्वर्ग + **ीय**
- **अच्छाई** = अच्छा + **ई**
- **व्यक्तित्व** = व्यक्ति + **त्व**
- **चश्माधारी** = चश्मा + **धारी**

5. निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग बताएँ -

- **विज्ञापन** = **वि** (उपसर्ग) + ज्ञापन
- **प्रचारक** = **प्र** (उपसर्ग) + चारक
- **विनायक** = **वि** (उपसर्ग) + नायक
- **सुप्रसिद्ध** = **सु** (उपसर्ग) + प्रसिद्ध
- **सुख्यात** = **सु** (उपसर्ग) + ख्यात

6. वाक्य से निर्देश के अनुसार पद चुनें -

(क) आँखें अचंभे से फट पड़ीं। - **से** (कारक चिह्न)
(ख) अमेरिका में कुछ ही महीनों पहले इस तमाशे को दिखाया गया था। - **में** (कारक चिह्न)
(ग) सावे दादा ने **छोटी-मोटी** बहुत फिल्में बनाई। - **छोटी-मोटी** (विशेषण)
(घ) **मुझे** अच्छी तरह से याद है। - **मुझे** (सर्वनाम)

7. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखें -

- **बाजार** – हाट, मंडी

- **करिश्मा** – चमत्कार, तिलस्म
- **चमत्कार** – करिश्मा, अद्भुत घटना
- **आविष्कार** – खोज, नवीनीकरण
- **जनता** – लोग, आमजन
- **व्यवसाय** – धंधा, व्यापार
- **खरीदना** – लेना, क्रय करना
- **प्रारंभ** – आरंभ, शुरुआत